भारत सरकार
पर्यटन मंत्रालय
**राज्य सभा**
लिखित प्रश्न सं. 1741
गुरूवार, 13 मार्च, 2025/22 फाल्गुन, 1946 (शक)
को दिया जाने वाला उत्तर

**ओडिशा की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को बढ़ावा देना**

**1741 श्री शुभाशीष खुंटिया:**

क्या **पर्यटन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) ओडिसी नृत्य, पट्टचित्र कला और आदिवासी त्यौहारों सहित ओडिशा की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत के संवर्धन के लिए क्या कदम उठाए जा रहे हैं;

(ख) ओडिशा में घरेलू और अंतर्राष्ट्रीय पर्यटकों को आकर्षित करने हेतु सांस्कृतिक उत्सवों और कार्यक्रमों के आयोजन के लिए क्या पहलें की गई है;

(ग) राज्य में सांस्कृतिक पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए कितनी धनराशि आवंटित की गई है; और

(घ) ओडिशा के अनूठे सांस्कृतिक वैभव को वैश्विक मान्यता प्रदान करने के लिए मंत्रालय द्वारा क्या प्रयास किए जा रहे हैं?

**उत्तर**

**पर्यटन मंत्री** **(श्री गजेन्द्र सिंह शेखावत)**

(क) से (घ): पर्यटन मंत्रालय संवर्धनात्मक कार्यक्रमों, प्रदर्शनियों में भागीदारी, मेलों और महोत्सवों के आयोजन हेतु राज्य सरकारों को सहायता, वेबसाइट और सोशल मीडिया आदि सहित विभिन्न पहलों के माध्यम से ओडिशा के ओडिसी नृत्य, पट्टचित्र कला और जनजातीय महोत्सवों सहित विभिन्न पर्यटन गंतव्यों एवं अनुभवों का संवर्धन करता है।

पर्यटन मंत्रालय ने पुरी में 30 मई से 3 जून 2023 तक आयोजित 21वें राष्ट्रीय जनजातीय/लोक गीत और नृत्य महोत्सव एवं बरकुल, चिल्का में 24 से 28 नवंबर 2023 तक आयोजित चिल्का शेल्डक इंटरनेशनल फोक कार्निवल के आयोजन के लिए सहयोग दिया। 26 से 31 जनवरी को लाल किले के लॉन में मनाए जाने वाले एक वार्षिक कार्यक्रम, भारत पर्व के हिस्से के रूप में पर्यटन मंत्रालय, ओडिशा के सांस्कृतिक प्रदर्शन और दृश्य कला की प्रदर्शनी करता है।

संस्कृति मंत्रालय निम्नलिखित वित्तीय अनुदान योजनाएं कार्यान्वित करता है-

**1. संस्कृति के क्षेत्र में प्रसिद्ध व्यक्तियों को सीनियर/जूनियर फैलोशिप प्रदान करने की योजना:** सांस्कृतिक अनुसंधान के लिए 2 वर्ष की अवधि हेतु 25 से 40 वर्ष (जूनियर) और 40 वर्ष (सीनियर) से अधिक आयु वर्ग के प्रतिष्ठित व्यक्तियों को एक बैच वर्ष में विभिन्न सांस्कृतिक क्षेत्रों में 400 फैलोशिप तक (200 जूनियर और 200 सीनियर) 10,000/- रुपये और 20,000/- रुपये प्रति माह की दर से प्रदान की जाती है। फैलोशिप चार समान छह मासिक किस्तों में जारी की जाती है।

**2. विभिन्न सांस्कृतिक क्षेत्रों में युवा कलाकारों के लिए छात्रवृत्ति योजना:** एक बैच वर्ष में 400 तक छात्रवृत्तियां प्रदान की जाती हैं। इस योजना के तहत 18-25 वर्ष के आयु वर्ग में उत्कृष्ट प्रतिभा वाले युवा कलाकारों को भारतीय शास्त्रीय संगीत, भारतीय शास्त्रीय नृत्य, थिएटर, माइम, दृश्य कला, लोक, पारंपरिक और स्वदेशी कला और हल्के शास्त्रीय संगीत आदि के क्षेत्र में भारत के भीतर उन्नत प्रशिक्षण हेतु 2 वर्ष के लिए 5,000/- रुपये प्रतिमाह वित्तीय सहायता दी जाती है। छात्रवृत्ति चार समान छह मासिक किस्तों में जारी की जाती है।

ओडिशा में 47 ओडिसी नृत्य कलाकारों को इन 02 योजनाओं के तहत वित्तीय सहायता प्रदान की गई है अर्थात संस्कृति के क्षेत्र में उत्कृष्ट व्यक्तियों को सीनियर/जूनियर फैलोशिप की पुरस्कार योजना और पिछले 03 वर्षों के दौरान विभिन्न सांस्कृतिक क्षेत्रों में युवा कलाकारों को छात्रवृत्ति की योजना।

**3. सांस्कृतिक समारोह और उत्पादन अनुदान योजना**

सांस्कृतिक समारोह और उत्पादन अनुदान (सीएफपीजी) योजना के तहत गैर-सरकारी संगठनों/सोसाइटियों/न्यासों/विश्वविद्यालयों को सेमिनार, सम्मेलनों, अनुसंधान, कार्यशालाओं, महोत्सवों, प्रदर्शनियों, संगोष्ठियों, नृत्य, नाटक-रंगमंच, संगीत आदि के आयोजन के लिए वित्तीय सहायता प्रदान की जाती है। इस योजना के तहत ओडिशा राज्य में पिछले 03 वर्षों के दौरान लाभार्थी संगठनों की संख्या और प्रदत्त वित्तीय सहायता का विवरण नीचे दिया गया है:-

**(लाख रु. में)**

| **वित्तीय वर्ष** | **संगठन की संख्या** | **जारी निधि** |
|---|---|---|
| 2021-22 | 149 | 182.99 |
| 2022-23 | 180 | 296.88 |
| 2023-24 | 168 | 269.71 |

*****